ओमशान्ति मीडिया

मूल्यनिष्ठ समाज की रचना के लिए समर्पित

वर्ष - 27 | मई-II-2025 | अंक - 04 | माउण्ट आबू | Rs.-12

ब्रह्माकुमारीज़ ने ध्यान और योगबल से खड़ा किया दुनिया में अद्भुत वातावरण : शाह

गृहमंत्री अमित शाह ने ब्रह्माकुमारीज़ के अंतर्राष्ट्रीय मुख्यालय शान्तिवन पहुंचने पर डायमंड हॉल में आयोजित ब्रह्माकुमारीज़ के सुरक्षा सेवा प्रभाग की सिल्वर जुबली व 'विश्व एकता एवं विश्वास हेतु ध्यान' इस वर्ष की संस्थान की सेवा योजना वार्षिक थीम का किया राष्ट्रीय उद्घाटन।

शान्तिवन-आबू रोड(राज.)। कार्यक्रम के शुभारम्भ के पहले गृहमंत्री ने दादी रतनमोहिनी जी को भावपूर्ण श्रद्धासुमन अर्पित किए और संस्थान की नवनियुक्त राजयोगिनी ब्र.कु. मोहिनी दीदी को भी बहुत शुभकामनाएं दी। ब्रह्माकुमारीज़ ने तपस्या और तेज से सारी दुनिया भर में सादगी, संयम और सहयोग का अद्भुत वातावरण खड़ा किया है। कार्यक्रम में गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि सशस्त्र बलों के, सुरक्षा कर्मियों के त्याग-तप और बलिदान के कारण आज हम सुरक्षित हैं। न्यूनतम-46 डिग्री टेंपरेचर से लेकर प्लस 46 डिग्री टेंपरेचर तक राजस्थान के रेगिस्तान के अन्दर हमारी सेवाओं की सुरक्षा अपने जीवन का स्वर्णिम काल देकर वह करते हैं। नींद की कमी, पानी की कमी और हिंसा से जूझने के समय उनका मन तनाव में होता है, ऐसे में ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान द्वारा हमारे सुरक्षा कर्मियों को तनाव से बाहर लाकर उनके मन, आत्मा और शरीर को शान्ति का मार्ग प्रशस्त करने का प्रयास करना, अपने आप में एक बहुत बड़ा काम है। मैं देश के गृहमंत्री होने के नाते ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान को इसके लिए बहुत-बहुत धन्यवाद देना चाहता हूँ।

आज़ादी की शताब्दी तक हम विश्व में सर्वोच्च अर्थतंत्र होंगे

अमित शाह ने विश्वास जताया कि हम कुछ ही सालों में विश्व में तीसरे नंबर का अर्थतंत्र बनेंगे। परन्तु विश्व में तीसरे नंबर का अर्थतंत्र बनने के साथ ही हमारी जो परम्पराएं हैं, जिनमें सबको विश्व बंधुत्व की भावना व हर मानव के अंदर रही आत्मा को परमात्मा के साथ जोड़ने की शक्ति हमारे अंदर पड़ी है। इतनी ही तेजी के साथ आगे ले जाना यह भारत का लक्ष्य होना चाहिए। आध्यात्मिक जागृति के साथ ब्रह्माकुमारीज़ संस्था बहुत अच्छे से काम कर रही है जो हमारे उद्देश्य को और अच्छे से पूरा करने की दिशा में हमें आगे बढ़ने में और तीव्र गति मिलेगी।

योग के रास्ते से ही विश्व शांति आएगी

देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस बनाकर हमारी वैदिक परम्परा, ऋषि-मुनियों की सबसे अमूल्य धरोहर को समस्त विश्व को देने का काम किया। आज समूचे विश्व में करोड़ों लोग ध्यान और अध्यात्म के रास्ते पर अपने जीवन का कल्याण कर रहे हैं और खुद को सशक्त बना रहे हैं।

शान्तिवन में प्रवेश मात्र से अगाध शान्ति का हुआ अनुभव

मैं पहली बार ब्रह्माकुमारीज़ के कार्यक्रम में आया हूँ। मैंने बहुत सुना था कि ब्रह्माकुमारीज़ योग और ध्यान के माध्यम से पूरे विश्व में मानव के अन्दर शान्ति और साधना का दीप प्रज्वलित करने का कार्य कर रही है। जब मैंने इस संस्थान के मुख्यालय शान्तिवन में प्रवेश किया तब न मैंने कुछ सुना था, न कुछ किया था परन्तु यहाँ आते ही मन को अगाध शान्ति का अनुभव हुआ। संस्था की अबतक चली सभी गतिविधियों ने ध्यान, साधना, मानसिक शान्ति, आंतरिक स्थिरता और सद्मार्ग पर चलने की प्रवृत्ति को उत्तेजन देने की सभी प्रवृत्ति के लिए मैं पूज्य लेखराज कृपलानी जी को बहुत आदर सहित प्रणाम करके उनको श्रद्धांजलि देना चाहता हूँ। समाज के अन्दर व्यक्तिगत जीवन में जब गुरू मिल जाता है तो कई लोगों का जीवन सन्मार्ग पर प्रशस्त होने के बहुत सारे उदाहरण हैं। मगर कुछ लोग इस प्रकार का काम करके जाते हैं जो हर व्यक्ति की आत्मा को ही एक दीप बनाकर प्रकाशमय मार्ग पर चलने के लिए हर व्यक्ति को प्रशस्त करते हैं। लेखराज कृपलानी जी ने ब्रह्माकुमारीज़ की स्थापना करके हरेक व्यक्ति की आत्मा को ही एक दीपक बनाकर उसके प्रकाश में आगे बढ़ने के लिए एक बहुत बड़ा आह्वान किया है। जिसका आज समाज पर बहुत बड़ा असर दिख रहा है।

- शेष पेज 3 पर...

ब्रह्माकुमारीज़ सुरक्षा बलों को मानसिक मजबूती और भावनात्मक संतुलन दे रही: भजनलाल

राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि गृहमंत्री देश की सुरक्षा नीति के कुशल सारथी हैं। साथ-साथ ब्रह्माकुमारीज़ के कार्यक्रम में उनकी उपस्थिति बताती है कि वे आध्यात्मिक उन्नति को भी राष्ट्र की मजबूती का आधार मानते हैं। सीएम ने दादी रतनमोहिनी को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा कि दादी जी का जीवन सेवा, साधना और अनुशासन

की मिसाल रहा। अब राजयोगिनी ब्र.कु. मोहिनी दीदी के मागदर्शन में सेवाएं नये आयाम लेंगी। संस्था की थीम मौजूदा समय में बेहद प्रासंगिक है। ध्यान और योग से जवानों को मानसिक और शारीरिक शक्ति मिलेगी। ब्रह्माकुमारीज़ सुरक्षा बलों को मानसिक मजबूती और भावनात्मक संतुलन दे रही है। राजयोग तनावमुक्त जीवन और आत्मबोध का माध्यम है।